समाजीकरण हेतु विद्यालय के कार्य

समाजीकरण की प्रक्रिया में विद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि विद्यालय ही वह स्थान है जहां परिवार के बाद छात्र अधिक समय बिताता है। यहीं पर वह अपने अन्य सहपाठियों के सम्पर्क में आकर बहुत सी नयी-नयी बातें सीखता है। यहीं पर उसका परिचय अपने शिक्षकों से होता है और शिक्षकों के द्वारा ही वह समाजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है। अतः विद्यालयों का समाजीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। संक्षेप में समाजीकरण को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों को निम्न कार्य करने चाहिए-

1. विद्यालय को चाहिए कि वह समय-समय पर बालको के शोभनीय व्यवहार के लिए उन्हें पुरस्कृत करने और अशोभनीय व्यवहार के लिए दण्डित करने की व्यवस्था करे।

2. बालकों का सही दिशा में समाजीकरण के लिए विद्यालयों को नाटक, वाद-विवाद जैसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना चाहिए।

3. विद्यालयों को समाज का एक लघु रूप स्वीकार किया जाता है। अतः विद्यालयों को चाहिए कि वह अपने यहां ऐसा सामाजिक वातावरण तैयार करें जो समाज की परिस्थितियों के अनुकूल हो और उसमें रहते हुए बालकों का समाजीकरण समाज की आवश्यकताओं के अनुकूल ही सम्भव हो सके।

4. विद्यालयों को चाहिए कि वह ऐसे वातावरण का निर्माण करें जिससे बालकों में समानता, सहयोग, स्वतन्त्रता, न्याय और बन्धुत्व के गुणों का विकास सम्भव हो सके।

5. विद्यालयों में ऐसे समाज सेवा संकार्यों की स्थापना की जानी चाहिए जो देश पर विपत्ति के समय में समाज सेवा में आगे आयें। इससे बालकों के सही दिशा में समाजीकरण में सहायता मिलेगी।

6. विद्यालयों को अपने छात्रों को समाज की भलाई के लिए उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए। इसका एक अच्छा उदाहरण श्रमदान हो सकता है। विद्यालयों को चाहिए कि वह

समय-समय पर श्रमदान के माध्यम से बच्चों में श्रम के प्रति प्रेम की भावना को जागृत करने का प्रयास करें।

7. विद्यालयों को चाहिए कि वह अपने यहां ऐसे कार्यक्रमों को भी लागू करें जिनसे बालकों में सामाजिक व व्यवसायिक कुशलता बढ़ सके और उनका सही दिशा में समाजीकरण सम्भव हो सके।

Sociology

महत्वपूर्ण लिंक

- Major Religion Of The World - Christianity, Islam, Hinduism, Buddhism
- What Is Cultural Diffusion | Types Of Diffusion | Barriers In Diffusion | Elements Of Cultural Diffusion | Stages Of Diffusion
- Cultural Hearths - Major cultural hearths of the world
- Social Environment: Issues And Challenges
- Major Languages Of The World- Definition, Features, Influences, Classification (World's Language Family)
- सामाजिक परिवर्तन और सांस्कृतिक परिवर्तन में क्या अंतर है?
- सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त (Theories of Social Change in hindi)
- सामाजिक परिवर्तन में बाधक तत्त्व क्या क्या है? (Factors Resisting Social Change in hindi)
- सामाजिक परिवर्तन के घटक कौन कौन से हैं? (Factors Affecting Social Change in hindi)
- सामाजिक गतिशीलता का अर्थ एवं परिभाषा, सामाजिक गतिशीलता के प्रकार, सामाजिक गतिशीलता के घटक
- सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ एवं परिभाषा, सामाजिक स्तरीकरण के प्रकार
- संस्कृति की विशेषताएँ | संस्कृति की प्रकृति (Nature of Culture in Hindi | Characteristics of Culture in Hindi)
- दर्शन शिक्षक के लिये क्यों आवश्यक है | शिक्षा दर्शन का ज्ञान कक्षा में अध्यापक की किस प्रकार सहायता करता है
- शैक्षिक दर्शन का अर्थ एवं परिभाषा | दर्शन एवं शिक्षा के संबंध | दर्शन का शिक्षा पर प्रभाव
- शैक्षिक समाजशास्त्र का अर्थ | शैक्षिक समाजशास्त्र के उद्देश्य एवं क्षेत्र | शिक्षा के समाजशास्त्र की प्रकृति
- शैक्षिक समाजशास्त्र का महत्व स्पष्ट कीजिये | शैक्षिक समाजशास्त्र के अध्ययन की आवश्यकता
- शिक्षा का समाजशास्त्र पर प्रभाव | शिक्षा समाजशास्त्र को कैसे प्रभावित करती है?
- नव सामाजिक व्यवस्था का अर्थ स्पष्ट कीजिए | नव सामाजिक व्यवस्था के प्रमुख अंगों का वर्णन कीजिए
- जेंडर का अर्थ | जेंडर पर संक्षिप्त लेख लिखिए | Meaning of gender in hindi | Write a short note on gender in hindi
- धर्म का अर्थ | धर्म की परिभाषाएं | धार्मिक शिक्षा के उद्देश्यों का वर्णन | धार्मिक शिक्षा की विधि
- धर्म निरपेक्षता के विकास में भारतीय विद्यालय की भूमिका | विद्यालयों में पंथोन्मुखी शिक्षा का स्थान
- धर्म निरपेक्ष राज्य की प्रमुख विशेषताएँ | भारत एक धर्म निरपेक्ष राज्य के रूप में

- भारत की जाति व्यवस्था | भारतीय जाति व्यवस्था पर संक्षिप्त लेख लिखिये
- धर्म निरपेक्षता के आवश्यक तत्व | भारत में धर्म निरपेक्षता की आवश्यकता एवं महत्व | धर्म निरपेक्षता व शिक्षा के उद्देश्य

sarkariguider.com